PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Wednesday 2nd April 2014, Page: 1
Width: 8.64 cms, Height: 10.89 cms, a4, Ref: pmin.2014-04-02.53.7

एसएमएस हेल्पलाइन के लिए फंड नहीं

महेंद्र सिंह ▶ **नई दिल्ली...**

सस्ती जेनरिक दवाओं का विकल्प बताने के लिए प्रस्तावित एसएमएस हेल्पलाइन सेवा जरूरी फंड मुहैया न कराए जाने के कारण शुरू नहीं हो सकी है। हेल्पलाइन संचालित करने के लिए कंपनियों से आशय पत्र मंगाने के बाद कंपनियों के चयन पर केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय फैसला नहीं कर पाया है।

डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'बिजनेस भास्कर' को बताया कि जन औषधि स्कीम के लिए हाल ही में लागू किए गए नए बिजनेस प्लान में एसएमएस हेल्पलाइन को भी शामिल करने का फैसला किया गया था। हालांकि इसके लिए जरूरी फंड अभी तक स्वीकृत नहीं हुआ है। अधिकारी के मुताबिक जन औषधि केंद्रों के विस्तार और दवाओं की बिक्री बढ़ने पर ही लोग एसएमएस हेल्पलाइन का फायदा उठा सकेंगे।

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने कुछ माह पहले विभिन्न शहरों में एसएमएस हेल्पलाइन लगाने और संचालित करने के लिए कंपनियों से आशय पत्र आमंत्रित किए थे।

(शेष पेज 10 पर)

दवा का मसला

सस्ती जेनरिक दवाओं का विकल्प बताने के लिए एसएमएस हेल्पलाइन सेवा का प्रस्ताव